समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 23 September 2026

मुंबई लोकल मे मंहिला की सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मी बना ढाल, खाली कोच मे संाथ बैठकर जीता लोगों का दिल

Publisher

Published on 19 Nov 2025

मुंबई, जिसे देश की आर्थिक राजधानी कहा जाता है, अपनी तेज रफ़्तार जिंदगी और कभी न रुकने वाली रफ्तार के लिए जाना जाता है। लेकिन इस भीड़भाड़ भरी महानगरी की सुरक्षा व्यवस्था जितनी मजबूत दिखती है, उसके पीछे खड़े वे अनगिनत पुलिसकर्मी हैं जो दिन-रात शहर को सुरक्षित रखने में जुटे रहते हैं। ऐसा ही एक मानवीय और प्रेरणादायक उदाहरण हाल ही में देखने को मिला जब मुंबई लोकल ट्रेन में एक पुलिस कॉन्स्टेबल ने देर रात अकेली सफर कर रही महिला की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक संवेदनशील कदम उठाया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोग उसकी जमकर तारीफ कर रहे हैं।

वीडियो में दिखता है कि देर रात का समय है और लोकल ट्रेन लगभग खाली है। लगभग सुनसान कोच में एक महिला अकेले बैठी दिखाई देती है। तभी मुंबई पुलिस का एक कॉन्स्टेबल चुपचाप उसकी बगल वाली सीट पर बैठ जाता है। उसने महिला को परेशान नहीं किया, न उससे कोई बातचीत की, बस कोच में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए साथ बैठना ही उसके कर्तव्य का हिस्सा था। सोशल मीडिया पर लोग इस कदम को 'साइलेंट प्रोटेक्शन' बता रहे हैं — बिना किसी हंगामे के, बिना किसी दिखावे के किया गया सुरक्षा का गंभीर और महत्वपूर्ण प्रयास।

इस वीडियो को देखकर कई लोग हैरान भी हैं और भावुक भी। क्योंकि रोजाना लाखों लोग मुंबई लोकल में सफर करते हैं, लेकिन इस तरह की संवेदनशीलता देखने को शायद ही मिलती है। खासतौर पर रात के समय महिला सुरक्षा को लेकर अक्सर तमाम सवाल उठते हैं। लेकिन इस कॉन्स्टेबल ने यह साबित कर दिया कि मुंबई पुलिस केवल कानून व्यवस्था संभालने में ही आगे नहीं है, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से भी हमेशा सजग रहती है।

वीडियो के वायरल होते ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लोग मुंबई पुलिस की इस कोशिश की सराहना करने में जुट गए। कई यूज़र्स ने इसे 'रियल लाइफ हीरो' का उदाहरण बताया। कुछ ने कहा कि यही वजह है कि मुंबई देश के सबसे सुरक्षित शहरों में गिना

जाता है। वहीं, कई महिलाओं ने लिखा कि ऐसे पुलिसकर्मियों की वजह से वे रात में भी लोकल ट्रेन में बिना डर सफर कर पाती हैं। वीडियो में देखा गया यह छोटा-सा कदम बड़े विश्वास का कारण बन गया है।

मुंबई जैसी व्यस्त महानगरी में पुलिसकर्मी 24 घंटे ड्यूटी पर लगे रहते हैं। उनका काम केवल अपराध रोकना नहीं, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा का एहसास दिलाना भी है। खासकर महिलाओं की सुरक्षा के लिए ऐसे छोटे लेकिन प्रभावी कदम अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाते हैं। यह घटना उन सभी पुलिसकर्मियों को सम्मान देने का भी अवसर है जो हर दिन अपने परिवारों से दूर रहकर शहर की सुरक्षा के लिए समर्पित रहते हैं।

इस घटना से यह साफ होता है कि मुंबई पुलिस महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कितनी गंभीर है। यह वीडियो सिर्फ एक सुरक्षा पहल नहीं, बल्कि समाज के लिए एक संदेश भी है कि जागरूकता और संवेदनशीलता ही सुरक्षित वातावरण का निर्माण करती है। जरूरत है कि ऐसे सकारात्मक उदाहरण समाज में और फैलें ताकि महिलाएं न केवल मुंबई बल्कि पूरे देश में निर्भय होकर यात्रा कर सकें।

मुंबई पुलिस कॉन्स्टेबल की यह पहल एक बार फिर साबित करती है कि वर्दी केवल एक पहनावा नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और सेवा का प्रतीक है। यह छोटा-सा कदम न केवल महिला को सुरक्षित महसूस कराने के लिए पर्याप्त था, बल्कि यह पूरे देश के लिए एक संदेश है कि सुरक्षा का मतलब केवल मौजूद होना नहीं, बल्कि सजग और संवेदनशील होना है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.